(a) ए.एल.ब्रॉशम (b) कर्नल टॉड
(c) एलफिस्टन (d) मेकमिलन

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (b) – 'मुगल बादशाह अपनी विजयों में से आधी के लिए राठौड़ों की एक लाख तलवारों के अहसानमन्द थे।' ये कथन कर्नल टॉड का है। कर्नल जेम्स टॉड ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी के अधिकारी एवं प्रसिद्ध विद्वान थे। उनकी राजपुताना (वर्तमान राजस्थान) के इतिहास में विशेष रूचि थी। इन्हें राजस्थान के इतिहास का पितामह कहा जाता है।

157. निम्नलिखित में से किसे राठौड़ राजवंश की कुल देवी के रूप में भी जाना जाता है?

(a) बाणमाता (b) नागनेची
(c) अन्नपूर्णा (d) शाकम्भरी

कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)-2020
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम)-2019
कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (b) – राजस्थान के राठौड़ राजवंश की कुलदेवी चक्रेश्वरी, राठेश्वरी, नागणेची या नागणेचिया के नाम से प्रसिद्ध है। नागणेचिया माता का मन्दिर बाड़मेर जिले के नागणा गाँव में स्थित है।

158. 'मुण्डीयार री ख्यात' किस राजवंश से सम्बन्धित है?

(a) मेवाड़ के सिसोदिया (b) सिरोही के चौहान
(c) मारवाड़ के राठौड़ (d) बूंदी के हाड़ा

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018
RPSC RAS/ RTS-2013

Ans. (c) – मुँहणौत नैणसी द्वारा रचित 'मुंडियार री ख्यात' का सम्बन्ध जोधपुर के मारवाड़ के राठौर वंश के शासकों से है। दयालदास, महाराजा रतन सिंह के समय में मारवाड़ के राठौर वंश के इतिहास को इसमें दर्शाया है।

159. 'मुंहणोत नैणसी' किस राज्य का दीवान था?

(a) बीकानेर (b) जोधपुर
(c) उदयपुर (d) जयपुर

कर सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) – मुंहणोत नैणसी जोधपुर राज्य का दीवान था। इन्होंने दो महत्वपूर्ण ग्रंथों 'मुंहणोत नैणसी री ख्यात' तथा 'मारवाड़ रा परगना री विगत' की रचना की थी। यह दोनों ग्रंथ इतिहास के स्रोत के रूप में विशिष्ट स्थान रखते हैं।

160. जोधपुर के 'जसवंत थड़ा' का निर्माता कौन था?

(a) महाराजा बख्त सिंह
(b) महाराजा सरदार सिंह
(c) महाराजा उम्मेद सिंह
(d) महाराजा विजय सिंह

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (b) : जसवंत थड़ा का निर्माण महाराणा जसवंत सिंह की स्मृति में उनके पुत्र महाराजा सरदार सिंह कराया था। इस महल को 'मारवाड़ का ताजमहल' कहा जाता है।

(b) गुहिल वंश का इतिहास, महाराणा प्रताप, उदयसिंह, रतन सिंह, राणा सांगा उनकी प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था

161. महाराणा प्रताप ने चावण्य को अपनी राजधानी कब बनाया था?

(a) 1580 (b) 1576
(c) 1582 (d) 1585

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (d) : महाराणा प्रताप ने चावण्ड को अपनी राजधानी 1585 ई. में बनायी जो 1615 ई. तक मेवाड़ की राजधानी रही। महाराणा प्रताप एवं अकबर के सेनापति मानसिंह के मध्य वर्ष 1576 ई. में हल्दी घाटी का युद्ध हुआ जिसे जेम्स टॉड ने थर्मोपल्ली का युद्ध कहा। 1582 ई. में दिवेर के युद्ध में राणा प्रताप ने अकबर के प्रतिनिधि सुल्तान खाँ को मार डाला।

162. मेवाड़ राज्य में 'महकमा खास' की स्थापना की थी-

(a) महाराणा शम्भू सिंह ने (b) महाराणा अजीत सिंह ने
(c) महाराणा गंगा सिंह ने (d) महाराणा सज्जन सिंह ने

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (a) : मेवाड़ राज्य में महकमा खास (सर्वोच्च न्यायालय) की स्थापना वर्ष 1869 में महाराणा शम्भू सिंह ने की थी। मेवाड़ राज्य में 10 मार्च, 1877 ई. को महाराणा सज्जन सिंह ने नई राज्य परिषद 'इजलास खास' की स्थापना की। अगस्त 1880 ई. में महाराणा सज्जन सिंह ने 'इजलास खास' को समाप्त करके उसके स्थान पर 'राजश्री महान्द्राज सभा' का गठन किया।

163. कटारगढ़ कहाँ स्थित है?

(a) कुम्भलगढ़ (b) चित्तौड़गढ़
(c) गढ़ बीठली (d) मेहरानगढ़

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) कटारगढ़ कुम्भलगढ़ के किले में स्थित है। इसे मेवाड़ की तीसरी आँख कहा जाता है। कुम्भल किले का निर्माण 1458 ई. में महाराणा कुम्भा ने करवाया था। इसके शिल्पी मंडन थे।

164. खनवा का युद्ध .....में लड़ा गया।

(a) 1526 A.D./ईसवी (b) 1556 A.D./ईसवी
(c) 1527 A.D./ईसवी (d) 1572 A.D./ईसवी

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020

Ans. (c) – खानवा का युद्ध बाबर एवं मेवाड़ के शासक राणा सांगा के मध्य 17 मार्च 1527 को लड़ा गया था। यह युद्ध गंभीरी नदी के किनारे खानवा नामक स्थान पर लड़ा गया था। इस युद्ध में बाबर विजयी हुआ था। इस युद्ध को जीतने के उपरान्त बाबर ने 'गाजी' की उपाधि धारण की।

165. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/कौन से कथन चीरवा शिलालेख के बारे में सही है?

(i) यह 1273 ई. में संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण है।
(ii) रत्नप्रभु सूरी इसके प्रशस्तिकार थे।
(iii) इसके शिल्पी देल्हण थें।
(iv) अग्नि कुण्ड से उत्पन्न राजपूतों का इसमें उल्लेख है।